>

Title: The Minister of Defence made a statement on the report by Shri Shyam Saran, Chairman National Security Advisory Board.

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI A.K. ANTONY): Madam, Speaker, Shri Shyam Saran, Chairman, National Security Advisory Board visited Ladakh from August 2 to 9, 2013. He has submitted a report on infrastructure in Ladakh, a copy of which has been sent by the Prime Minister's Office to the Ministry of Defence, among others, on 2nd September, 2013. The Report is primarily focused on the border infrastructure but also deals with several aspects relating to the region covering a broad spectrum of activities and requirements.

Broadly speaking, the Report reviews the progress in development of border infrastructure required to ensure connectivity between Ladakh and neighbouring areas....(*Interruptions*)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): महोदया, माइक में से आवाज आ रही है, डिस्टर्बेंस हो रहा है।

अध्यक्ष महोदया : चैक करवा लेते हैं।

...(व्यवधान)

SHRI A.K. ANTONY: Broadly speaking the report reviews the progress in development of border infrastructure required to ensure connectivity between Ladakh and neighbouring areas. In this context, issues such as availability of modern machinery for construction and maintenance of roads, upgradation of roads, tunnelling and alternate alignments, among others, have also been discussed. The report also deals with the requirement of air facilities in the region, as also issues relating to land acquisition and environmental and wildlife clearances. Other matters such as employment opportunities to local youth, tourism, mobile and internet connectivity, law and order, better equipment and facilities for ITBP, certain grievances of local people, among others, have further been covered in the report.

I would like to state categorically that Shri Shyam Saran has not stated in this report that China has occupied, or has denied access to India to any part of Indian territory. I would like to assure the House that there is no question of India ceding to China any part of Indian territory. The Government keeps a constant watch on all developments having a bearing on India's security and takes all necessary measures to safeguard it. I would further like to assure the House that Government would continue to strengthen our capabilities in border areas to protect our national interest.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, ऐसे नहीं चलेगा। ...(व्यवधान) पूरे वक्तव्य में सदन को गुमराह किया गया है। ...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैडम, इसमें तथ्यों को छुपाया गया है। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: There is no provision in the Rules. Rule 372 prohibits any clarifications. आप नोटिस दे दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Yashwant Sinhaji, you are a very senior Member. You know the rules.

...(*Interruptions*)

12.57 hrs.

At this stage, Shri Shailendra Kumar and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

13.01 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock

(Mr. Deputy Speaker *in the Chair*)

...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय रक्षा मंत्री को हाउस में बुलाया जाए। ...(व्यवधान) माननीय मुलायम सिंह जी उनसे कुछ प्रश्न करेंगे। ...(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): हम लोगों को मौका मिलना चाहिए। ...(व्यवधान) रक्षा मंत्री कुछ भी बोलते चले जाएंगे यह ठीक नहीं है। ...(व्यवधान) मैं फॉर्मर विदेश मंत्री रहा हूँ। क्या हमें दो मिनट बोलने का मौका नहीं मिलेगा? ...(व्यवधान)

श्री कीर्ति आज़ाद (दरभंगा): उपाध्यक्ष महोदय, सुबह माननीय यशवंत सिन्हा जी ने लिखकर दिया था। ...(व्यवधान) यहाँ सरकार जवाब नहीं दे रही थी तो हमने सरकार से मांग की थी कि इसके ऊपर एक स्टेटमैंट दिया जाए। स्टेटमैंट के लिए नोटिस पहले यशवंत जी ने दिया हुआ है। अब वे कुछ सवाल पूछना चाहते हैं।...(व्यवधान) यह देश की अस्मिता की बात है। ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI V. NARAYANASAMY): Sir, after a Minister makes a Statement, we cannot discuss it immediately in this House....(*Interruptions*) The convention is that after a Minister makes a Statement, there is no clarification made on the Statement. ...(*Interruptions*) That is the rule in this House....(*Interruptions*) That is the convention in this House. If they want, let them give notice. The hon. Speaker will consider it. ...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : श्रीमती मीना सिंह।

श्रीमती मीना सिंह (आरा): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों को शांत कराइए। ...(व्यवधान)

महोदय, भोजनावकाश से पूर्व मैंने इस बिल पर बोलना शुरू किया था। ...(व्यवधान) आप लोग शांत हो जाइए। मेरी बात तो सुन लीजिए। ...(व्यवधान) हमें बोलने तो दीजिए। ऐसा नहीं करिये। ...(व्यवधान)

14.04 hrs.

At this stage Shri Shailendra Kumar and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

â€¦(व्यवधान)

श्री वी.नारायणसामी: आप लोग इस विषय पर नोटिस दीजिए और डिसक्शन मांगिए।...(व्यवधान)

14.05 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fifteen

of the Clock.

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): महोदय, रक्षा मंत्री का इस सदन में एक बयान हुआ था। मैंने लिख कर दिया कि मैं उस पर चर्चा चाहता हूं। हम उन से कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। सवाल पूछने में जो भी वक्त लगे, मैं सरकार से चाहता हूं कि आज वह हमें आश्वस्त करें कि आज ही इस सदन में रक्षा मंत्री के बयान पर चर्चा होगी। बताइए। आज ही होगी।

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): महोदय, उन्होंने जो कहा है, वह सही है। हमने जो कुछ कहा या रक्षा मंत्री ने कहा, अगर इस पर चर्चा हो जाए, चाहे संक्षिप्त चर्चा ही करा दें तो कम से कम कंफ्यूजन तो दूर हो जाएगा। कंफ्यूजन दूर कीजिए। सरकार स्पष्ट बता दे। हम यह नहीं कहते कि हमने जो कहा, वह ही सच है और यशवंत सिन्हा साहब जो कह रहे हैं, वह सच है। आपके सामने क्या सच्चाई है? जहां तक रक्षा मंत्री का बयान है, उसका कोई मतलब ही नहीं है। आप ने पढ़ कर बता दिया। आप खुद अकेले में आकर बता दीजिए, यहां सदन में मत कहिए। क्या देश की रक्षा के बारे में ऐसे बयान दिया जाता है? यह है असली बात। रक्षा मंत्री ने उलझाया है।

शहरी विकास मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री कमल नाथ): महोदय, कल माननीय सदस्य यशवंत सिन्हा जी ने आग्रह किया था कि रक्षा मंत्री आ कर बयान दें। किस पर बयान दें? 640 वर्ग किलोमीटर जो भारत की भूमि है, उस पर चीन के कब्ज़े के बारे में। मैंने उस समय स्वीकार किया था कि रक्षा मंत्री आ कर बयान देंगे। आज रक्षा मंत्री जी ने आकर बयान दिया और उन्होंने साफ और स्पष्ट कहा कि जो भारत की कोई 640 वर्ग किलोमीटर भूमि के कब्ज़े की बात है, जिस श्याम शरण जी की रिपोर्ट का जिक्र किया गया था, यह बिल्कुल सत्य नहीं है। श्याम शरण ने भी इसका खंडन किया है।...(व्यवधान) उन्होंने जो सही बात थी, बड़े साफ तरीके से, संसद में अपने बयान में कही है। He has been very clear. माननीय मुलायम सिंह जी ने अभी इसका जिक्र किया है। अभी भी इसमें अगर कोई भ्रम है, अभी भी इसमें अगर कोई क्लैरिफिकेशन की आवश्यकता है तो आज हाउस का बिजनेस है। जब यह बिजनेस खत्म हो जाता है, रक्षा मंत्री जी राज्य सभा में हैं तो बिजनेस के खत्म हो जाने के बाद और राज्य सभा में उनके स्पष्टीकरण के बाद मैं उन से निवेदन करूंगा कि वे हाउस में आएं और आपके कोई भी प्रश्न हों, उसका जवाब दें।